RNI NO. - CHHHIN/2011/38292

13 वर्ष निर्भीक पत्रकारिता के

अब 14 वें वर्ष की ओर

पाठकों/दर्शकों का असीम स्नेह

Bharatsamman.com Bharat samman Bharat Samman

हो जाओ सावधान

वर्ष-13 अंक-253 अम्बिकापुर, शनिवार, 23 मार्च 2024 कुल पृष्ठ-4 मूल्य-1.00 रू.

केंद्रीय जांच एजेंसियों की निगरानी वाली 41 कंपनियों ने खरीदे चुनावी बांड याचिकाकर्ताओं ने किया दावा

इन कंपनियों की ओर से 2,471 करोड़ भाजपा को देने का दावा, कंपनियों ने 1,698 करोड़ रुपये छापेमारी किए जाने के बाद दिए

चंदा के बदले अनुबंध हासिल करने का लगाया आरोप

उन्होंने कहा कि सरकार से 172 प्रमुख अनुबंध और परियोजना मंजूरी हासिल करने वाले 33 समूहों ने भी चुनावी बॉन्ड के माध्यम से चंदा दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा को 1,751 करोड़ रुपये का चंदा देकर इन समूहों ने 3.7 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं और अनुबंध हासिल किए हैं। भूषण ने दावा किया कि कम से कम 49 मामलों में केंद्र या भाजपा के नेतृत्व वाली राज्य सरकारों द्वारा पोस्टपेड अनुबंध/परियोजना मंजूरी में 62 हजार करोड़ रुपये दिए गए। इसके तीन महीने के भीतर भाजपा को चुनावी बॉन्ड के रूप में 580 करोड़ रुपये दिए गए।

नई दिल्ली। चुनावी फंडिंग को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने वाले कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को दावा किया कि सीबीआइ, ईडी और आयकर विभाग की जांच का सामना करने वाली 41 कंपनियों ने चुनावी बॉन्ड के माध्यम से भाजपा को 2,471 करोड़ रुपये दिए। इनमें से 1,698 करोड़ रुपये इन कंपनियों ने केंद्रीय एजेंसियों द्वारा छापेमारी किए जाने के बाद दिए। छापेमारी के ठीक तीन महीने बाद 121 करोड़ रुपये दिए गए।

30 कंपनियों ने खरीदे इतने के चुनावी बॉन्ड

चुनाव आयोग द्वारा चुनावी बॉन्ड योजना का नया आंकड़ा सार्वजनिक किए जाने के बाद मीडिया से बात करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने यह भी दावा किया कि कम-से-कम 30 मुखौटा कंपनियों ने 143 करोड़ रुपये से अधिक के चुनावी बॉन्ड खरीदे। प्रशांत भूषण याचिकाकर्ताओं की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए थे।

केजरीवाल का मुख्यमंत्री बने रहना दिल्ली का अपमान, भाजपा नेताओं का आप पर हमला

चेन्नई। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा जेल से सरकार चलाने के दावे पर कहा कि यह दिल्ली के लोगों और संविधान-लोकतंत्र का अपमान है। केजरीवाल को ईडी ने गुरुवार रात दिल्ली आबकारी नीति मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया है। पत्रकारों से बाचीत में केंद्रीय मंत्री ठाकुर ने कहा कि जांच एजेंसी ने केजरीवाल को नौ बार समन भेजे लेकिन वह जांच में शामिल नहीं हुए। क्या वह खुद को देश के कानून से ऊपर मानते हैं? वह करोड़ों रुपये का घोटाला करते हैं और प्रतिदिन नैतिकता पर मीडिया को बयान देते हैं।

नौ समन के बाद भी पेश होने से इनकार किया

उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस के भ्रष्टाचार के बारे में बोलने वाली और सोनिया गांधी की गिरफ्तारी की मांग करने वाली पार्टी के मुखिया ने नौ समन के बाद भी ईडी के समक्ष पेश होने से इनकार कर दिया।

न्याय के कठघरे में लाए गए केजरीवाल- ईरानी

कोर्ट द्वारा दिल्ली के सीएम वाल को 28 मार्च तक ईडी की हिरासत में भेजने के फैसले का स्वागत करते हुए भाजपा की केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी ने कहा कि अपराधों के सरगना को आखिरकार न्याय के कठघरे में लाया गया। केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी ने कहा कि देश को अब विश्वास हो गया है कि कोई भी कानून से ऊपर नहीं है।

केजरीवाल की गिरफ्तारी में केंद्र की भूमिका नहीं- प्रह्लाद जोशी

वहीं, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी में केंद्र सरकार की कोई भूमिका नहीं है। हुबली में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने अत्यधिक अहंकार दिखाया और नौ बार समन भेजे जाने के बाद भी उन्होंने परवाह नहीं की। ईडी ने उन्हें पर्याप्त समय दिया लेकिन पेश नहीं होने पर कानूनी कार्रवाई के तहत उन्हें गिरफ्तार किया गया।

कट्टर ईमानदार कहने वालों का असली चेहरा आए सामने- त्रिवेदी

भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी ने केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी पार्टी ने देश में ईमानदारी की नई राजनीति लाने दावा किया था लेकिन अब खुद को %कट्टर ईमानदार% कहने वाले लोगों का असली चेहरा सामने आ गया है। वह गिरफ्तारी के बाद भी सत्ता छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि वह पहले मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने अपनी गिरफ्तारी के समय इस्तीफा देना उचित नहीं समझा। उनकी गिरफ्तारी ने भारतीय राजनीति में कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

आज केजरीवाल घमंड टूट गया- संबित पात्रा

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि गिरफ्तारी से पहले अरविंद केजरीवाल सवाल पूछते थे कि मुख्यमंत्री के रूप में उन्हें कैसे बुलाया जा सकता है लेकिन आज उनका घमंड टूट गया। इस देश का कानून कहता है यदि आपने कानून तोड़ा है और आपको समन भेजा गया है तो आपको उपस्थित होना होगा।

जेल में होगा आप के भ्रष्ट नेताओं का होली मिलन

भाजपा नेता गौरव भाटिया ने कहा कि आम आदमी पार्टी के सभी भ्रष्ट नेता इस साल जेल में होली मिलन मनाएंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस भ्रष्टाचार की जननी है और अरविंद केजरीवाल उसके बेटे। इससे पहले कांग्रेस के ही नेताओं ने कहा था कि अरविंद केजरीवाल आबकारी नीति घोटाले के आरोपित हैं और उन्हें सलाखों के पीछे होना चाहिए और अब यही कांग्रेस पार्टी केजरीवाल के समर्थन में खड़ी हो रही है।

ईडी ने काली कमाई के 129 करोड़ का पता लगाया, साउथ लॉबी का किया भंडाफोड़

नई दिल्ली। ईडी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की रिमांड मांगते हुए दिल्ली आबकारी नीति घोटाले की काली कमाई के गोवा विधानसभा चुनाव में इस्तेमाल का सुबूतों के साथ विस्तृत ब्योरा दिया है। ईडी ने पैसे देने वाले आरोपितों के साथ-साथ उन्हें पहुंचाने व उनका इस्तेमाल करने वाले सभी गवाहों के बयान की फेहरिस्त पेश की। उसके अनुसार, साउथ लॉबी से ली गई 100 करोड़ की अग्रिम रिश्वत में से 45 करोड़ रुपये गोवा चुनाव में खर्च किए गए थे। ईडी ने यह भी बताया कि अपराध से सृजित 128.79 करोड़ की संपत्ति का अभी तक पता लगाया गया है और उसे जब्त कर लिया गया है।

गोवा चुनाव के लिए 45 करोड़ चार रुटों से भेजे गए

ईडी के अनुसार, गोवा चुनाव के लिए 45 करोड़ रुपये चार रुटों से भेजे गए थे। इनमें लगभग 12 करोड़ अशोक चंदु भाई, 7.1 करोड़ देवांग सोलंकी, 16 करोड़ कीर्ति अंबा लाल और 7.5 करोड़ रुपये मेसर्स नीलकंठ के जरिये भेजे गए थे। ये सभी हवाला कारोबार में आंगड़िया का काम करते हैं।

मेसर्स मां अंबे ने दो करोड़ रुपये गोवा पहुंचाए

आंगड़िया का काम करने वाले मेसर्स मां अंबे ने दो करोड़ रुपये गोवा पहुंचाए थे। इन सबके बयान ईडी के पास हैं। गोवा चुनाव में इस धन के उपयोग में चैरिएट प्रोडक्शन के राजेश जोशी की अहम भूमिका थी। गोवा में आप के चुनावी अभियान से जुड़े कई लोगों के बयान भी ईडी के पास हैं, जिसमें नकद भुगतान की बात कही गई है।

गोवा में आप उम्मीदवारों को नकदी मुहैया कराई

गोवा में आप उम्मीदवारों को भी नकदी मुहैया कराई गई थी। साउथ लॉबी से 100 करोड़ रुपये लेने और गोवा में इनका इस्तेमाल घोटाले के अन्य आरोपित विजय नायर और दिल्ली के आप विधायक दुर्गेश पाठक की देख-रेख में हो रहा था।

ईडी ने मनी लांड्रिंग के लिए केजरीवाल को जिम्मेदार ठहराया

मनी लांड्रिंग के लिए सीधे केजरीवाल को जिम्मेदार ठहराते हुए ईडी ने आप कोषाध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य एनडी गुप्ता के बयान के बारे में बताया। जिसमें उन्होंने बताया कि पार्टी प्रमुख के रूप में सारे फैसले केजरीवाल लेते थे। संबंधित राज्य का चुनाव प्रभारी इनका इस्तेमाल करता था। लेकिन केजरीवाल ही यह फैसला करते थे कि चुनाव प्रभारी किसे बनाया जाए।

28 मार्च तक ईडी की रिमांड पर रहेंगे अरविंद केजरीवाल, पत्नी बोली- यह गिरफ़्तारी दिल्ली के लोगों के साथ धोखा

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 28 मार्च तक ईडी की रिमांड पर भेज दिया है। इससे पहले दोनों पक्षों ने कोर्ट में दलीलें दीं जिस पर फैसला सुरक्षित रख लिया गया था। अब खबर आई है कि उन्हें 28 मार्च तक ईडी की रिमांड पर भेज दिया गया है। केजरीवाल की ओर से पेश हुए वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने केजरीवाल की गिरफ्तारी का विरोध किया, साथ ही ये सवाल भी उठाया कि जब ईडी के पास सब कुछ है तो गिरफ्तारी क्यों की गई है। वहीं, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्ता के अहंकार में उनके पति को गिरफ़्तार कराया जो यहाँ के लोगो के साथ धोखा है। सुनीता केजरीवाल दिल्लेवासियों के नाम एक संदेश में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा, आपके तीन बार चुने हुए मुख्यमंत्री को मोदीजी ने सत्ता के अहंकार में गिरफ़्तार करवाया। सबको कुचलने में लगे हैं। यह दिल्ली के लोगो के साथ धोखा है। आपके मुख्यमंत्री हमेशा आपके साथ खड़े रहें हैं।अंदर रहें या बाहर, उनका जीवन देश को समर्पित है।जनता जनार्दन है सब जानती है।जय हिन्द। उल्लेखनीय है प्रवर्तन निदेशालय ने कथित शराब घोटाले में केजरीवाल को कल रात ने गिरफ़्तार किया था।

आमजन, गरीब-मज़लूमों पर होने वाले अत्याचार के विरुद्ध क्रांतिकारी पत्रकारिता का नाम है भारत सम्मान, जब शासन-सत्ता में बैठे ऐसे लोग जो पद-पावर के नशे में चूर होकर करते हैं अपने कर्तव्यपालन में चूक तो भारत सम्मान करता है उन्हें दुरुस्त...

2011 से भारत सम्मान आगे बढ़ रहा है और मिसाल क़ायम कर रहा है ईमानदार पत्रकारिता की..

भारत सम्मान दैनिक समाचार पत्र के साथ-साथ वेबसाईट - www.bharatsamman.com, फेसबुक पेज - Bharat Samman व यू-ट्यूब - Bharat Samman News के माध्यम से जनहित के खबरों को प्राथमिकता देते हैं। हमारा दावा है यदि आप पर जुल्म हुआ है, आप न्याय के लिए कर रहे हैं संघर्ष तो केवल एक ही नाम आपको याद होना चाहिए...

भारत सम्मान

इसी क्रांतिकारी मुहिम से निम्न जगहों पर जुड़ने के लिए सम्पर्क करें

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, उत्तर प्रदेश, उतराखण्ड, बिहार, बंगाल व देश के सभी राज्यों में ब्यूरो व संवाददाता बनने संपर्क कर सकते हैं।

इन पदों में होंगे नियुक्त...

1 - राज्य ब्यूरो प्रमुख
2 - राज्य अपराध ब्यूरो प्रमुख
3 - जिला ब्यूरो प्रमुख
4 - जिला अपराध ब्यूरो प्रमुख
5 - तहसील संवाददाता
6 - तहसील अपराध संवाददाता

अपना फोटो लगा बायोडाटा हमारी ई-मेल आईडी bharatsammannews@gmail.com या व्हाट्सएप No. 09303890212 पर भेजे।

नोट

1. केवल ईमानदार लोग ही संपर्क करें, पत्रकारिता के नाम पर वसूली करने अथवा ब्लैकमेल करने वालों से हमारा कोई वास्ता नहीं
2. यहां नौकरी नहीं दी जाती है, यदि हमारे संस्था के नाम का गलत इस्तेमाल करता है, तो हमारे द्वारा जारी नंबर पर शिकायत जरूर करें।

प्रसार/प्रबंध
सम्पादक
भारत सम्मान न्यूज नेटवर्क
094242 62547
09303890212

RNI No. CHHHIN/2011/38292

भारत सम्मान NEWS

अम्बिकापुर, शनिवार, 23 मार्च 2024

संपादकीय

आम चुनाव-2024 : सरोकारी माहौल जरूरी

भारतीय जनतंत्र में राजनीतिक दलों, मीडिया और मतदाताओं के लिए आम चुनाव एक महत्वपूर्ण संदर्भ होता है। पिछले दिनों चुनाव के बारे में राजनीतिक दलों और नागरिक समाज का दृष्टिकोण अलग-अलग हो गया है। एक तरफ दल चुनाव को सत्ता की सीढ़ी मानकर इसे जीतने के लिए हर तरह के प्रयास कर रहे हैं, दूसरी तरफ नागरिक समाज में चुनाव में बढ़ रही समस्याओं को लेकर खास तरह का अविश्वास भाव बन रहा है। नागरिक समाज का आग्रह है कि चुनाव व्यवस्था में सुधार किए जाएं और सुधारों की एक लंबी सूची बनती जा रही है। सबसे बड़ा दोष धन शक्ति का बढ़ता प्रभाव था। आधी शताब्दी पहले लोक नायक जयप्रकाश नारायण ने इसे संबोधित किया था। आज पीछे मुड़कर देखने पर लगता है कि मोरारजी देसाई की सरकार द्वारा जयप्रकाश नारायण के सुझावों की अनदेखी से एक बड़ी बीमारी की शुरुआत हो गई। इस समय हर तरफ आम सहमति है कि हमारी चुनाव व्यवस्था के तीन बहुत बड़े दोष हैं। पहला, लोक शक्ति को धन शक्ति ने पराजित कर दिया है, दूसरा, मतदाताओं को सेवा और संगठन के जरिए प्रभावित करने की बजाय सभी दल मीडिया के माध्यम से प्रभावित करने का सहारा लेने लगे हैं, और तीसरा, कई जगहों पर चुनावों के मौके पर असामाजिक तत्वों की भूमिका उल्लेखनीय हो जाती है। कुछ दल तो असामाजिक तत्वों को अपनी पार्टी का उम्मीदवार बनाने में बड़ी शान समझने लगे हैं। सबका विवरण एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स जैसे निर्दलीय नागरिक मंचों द्वारा बराबर सामने आने से अजीब किस्म का असमंजस पैदा हो गया, वोट देने जाएं या न जाएं! क्या हमारा वोट एक उचित प्रतिनिधि का चयन करने में समाज की मदद करेगा! क्याचुने गए लोग जनप्रतिनिधि हैं, या धन शक्ति के प्रतीक हैं! ऐसी और भी कई बातें हर चुनाव के बाद सामने आने लगी हैं। इसीलिए इस बार के आम चुनाव में नागरिक समाज की भूमिका के बारे में सावधानी की जरूरत है। हमें अच्छी तरह से याद है कि इमरजेंसी के दौर में चुनाव को एक साल के लिए आगे बढ़ा दिया गया था तो सारा देश खुली जेल जैसा होने लगा था। किसी की कोई जिम्मेदारी नहीं थी। गैर-संवैधानिक शक्ति केंद्रों ने सिर उठा लिए थे। प्रधानमंत्री सचिवालय से लेकर थाने के स्तर तक हर तरफ गैर-संवैधानिक ताकतों का बोलबाला हो गया। उस समय यानी 1976 में पूरे देश से एक ही मांग आ रही थी कि चुनाव समय पर और ठीक से कराए जाएं। चुनाव का महत्त्व निर्विवाद है। तमाम दोषों के बावजूद अभी भारतीय जनतंत्र के पास सत्ता के संचालन के लिए, देश को सुचारू रूप से चलाने के लिए चुनाव के अलावा कोई विकल्प नहीं है। प्रशासन के संचालन के लिए हमने उम्मीदवारों का मूल्यांकन करने वाली परीक्षाओं का इंतजाम किया है। उसमें लाखों विद्यार्थी बनते हैं, और कुछ सौ चुने जाते हैं। जिनको पुलिस, प्रशासन, विदेश नीति आदि की जिम्मेदारी दी जाती है। विधानमंडल को चलाने के लिए, संसद का संचालन करने के लिए हमारे जनप्रतिनिधि कैसे चुने जाएं, इस प्रक्रिया को चुनाव के माध्यम से पूरा करना लगातार कठिन होता जा रहा है। लगता है कि पूरी गंगा मैली हो गई है। इसलिए लोकतंत्र को बचाए रखने के अब दो ही रास्ते बचे हैं-या तो हम चुनाव के दिन अपने-अपने घरों में बैठ जाएं। मानकर चलें कि चुनाव से कुछ नहीं होगा। दूसरा उपाय है कि चुनाव के हर मोड़ पर यानी चुनाव की घोषणा, घोषणा-पत्रों की तैयारी, प्रतिनिधियों का चयन और प्रचार का तंत्र; हर स्तर पर सक्रिय निगरानी करें, सक्रिय भागीदारी करें और सक्रिय योगदान करें। बहुत पहले राहुल सांकृत्यायन ने कहा, 'भागो नहीं, दुनिया को बदलो।' आज लोकतंत्र जिस नाजुक मोड़ पर खड़ा है, उसमें भागने से तो सुधार नहीं होना। बदलने से शायद सुधार हो। वैसे भी, लोकतंत्र की लोकप्रियता सारी दुनिया में घट रही है। दुनिया में जिन देशों का नाम लोकतंत्र के निर्माताओं के रूप में लिया जाता है, वहां चुनाव के जरिए अलोकतांत्रिक जमातें और ताकतें सत्ता में आ रही हैं। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप से रूस में ब्लादीमिर पुतिन तक के नाम लिए जा सकते हैं। इसलिए 2024 का लोक सभा चुनाव अगले पांच साल की दिशा तय करेगा। नागरिक समाज का क्या अर्थ है! असल में ये वे लोग हैं, जो सरोकारी नागरिक हैं। संविधान प्रदत्त नागरिक कर्त्तव्य सूची को सम्मान देते हैं और चुनाव के अलग समाज की समस्याओं को सुलझाने में सार्थक और रचनात्मक योगदान करते हैं। समाज के वास्तविक मुद्दे अब दलों की दिलचस्पी के मुद्दे नहीं रह गए। इसका मतलब यह नहीं है कि समाज को इन मुद्दों पर हस्तक्षेप की जरूरत नहीं है। उसी जरूरत को पूरा करने वाले संगठन अपने छोटे समूहों के माध्यम से इन सवालों को सुलझाने में लगे हैं। यह भारतीय लोकतंत्र का महत्त्वपूर्ण पक्ष है। आम समझ है कि लोकतंत्र चार खंभों पर खड़ी इमारत है और चार खंभे हैं-विधानमंडल, कार्यपालिका, न्यायपालिका और मीडिया। लेकिन असल में इस इमारत के तीन खंभे और हैं, जो भारत के लोकतंत्र को बचाए रखने और संवर्धित करने में योगदान करते हैं। उन तीन खंभों में एक है राजनीतिक दल, दूसरा है विविद्यालय आदि शिक्षा एवं ज्ञान केंद्र। और तीसरा है, नागरिक समाज। यह सातवां खंभा आज बहुत मजबूत है। इसमें यह भाव नहीं है सत्ता हमारे पास आए, बल्कि यह प्रयास है कि सत्ता योग्य व्यक्तियों के हाथों में जाए। वैसे तो कोई भी सत्ता किसी का दखल पसंद नहीं करती, लेकिन मौजूदा सत्ता संचालक नागरिकों की पहलों को एकदम नापसंद करते हैं। इसलिए काशी से लेकर कलकत्ता तक नागरिक समाज पर ग्रहण लगा हुआ है। आशा करनी चाहिए कि तमाम बाधाओं के बावजूद सक्रिय और सरोकारी नागरिक परस्पर सहयोग का वातावरण बनाकर चुनाव को शुद्ध बनाने, प्रदूषणमुक्त बनाने और निर्मल बनाने के लिए घोषणा-पत्र निर्माण, उम्मीदवारों के चयन, प्रचार की रणनीति और मतदान का पक्ष-सबकी निगरानी करेंगे, सबमें हिस्सेदारी करेंगे और सबमें योगदान करेंगे। इस समय चारों तरफ खास तरह के सरोकार का माहौल दिखाई पड़ रहा है। इसलिए 2024 का लोक सभा चुनाव एक मायने में मील का पत्थर साबित होगा, ऐसी आशा की जा रही है।

अपनों से घिरे पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कांग्रेस में कुछ लोगों को बताया 'स्लीपर सेल', भाजपा ने कहा- कांग्रेस का दुर्भाग्य

कांग्रेस के पूर्व महामंत्री अरुण सिसोदिया को कारण बताओ नोटिस जारी

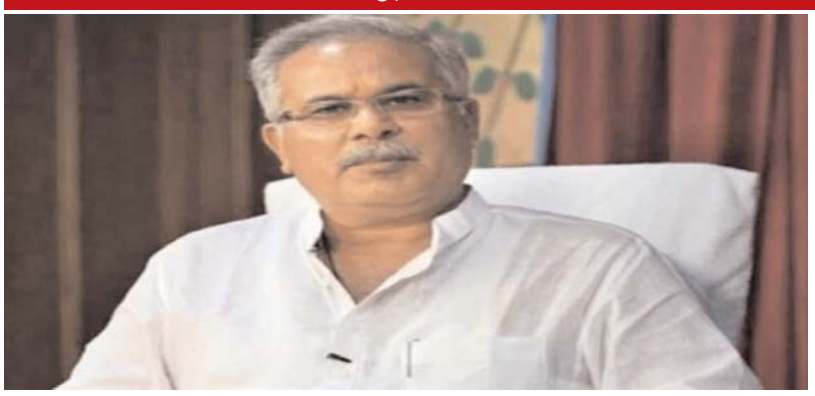

रायपुर। अपने ही संसदीय क्षेत्र में विरोध से जूझ रहे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कांग्रेस में कुछ लोगों को स्लीपर सेल बताया है। मीडिया से चर्चा करते हुए बघेल ने कहा कि कुछ लोग कांग्रेस को बदनाम करने के लिए नीयत से काम कर रहे हैं। यदि किसी मामले में गड़बड़ी हैं तो शिकायत करनी चाहिए। जांच समिति बैठती, लेकिन वे सीधा आरोप रहे हैं। भूपेश बघेल के स्लीपर सेल वाले बयान पर अब राजनीति गरमा गई है। भाजपा ने भी इस पर प्रतिक्रिया दी है। बघेल के आरोपों पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआइसीसी) के सदस्य व कांग्रेस के पूर्व महामंत्री अरुण सिसोदिया ने कहा कि भूपेश बघेल के लिए सिर्फ उनके लोग ही अच्छे हैं, बाकी सब स्लीपर सेल हैं। बघेल के लिए वे सब कार्यकर्ता भी स्लीपर सेल हैं, जिन्होंने उन्हें जिताने के लिए संघर्ष किया। नोटिस के सवाल पर सिसोदिया ने कहा कि मैं नोटिस का जरूर जवाब दूंगा।

कांग्रेसी नेता अरुण सिसोदिया को नोटिस जारी

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस के पार्टी फंड के 5.89 करोड़ रुपये को नियम विरुद्ध कंपनी को दिए जाने का मामला उजागर करने वाले कांग्रेसी नेता सिसोदिया को नोटिस जारी किया गया है। उन पर अनुशासनहीनता और कांग्रेस की छवि धूमिल का आरोप लगाया गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने तीन दिनों के भीतर उनसे जवाब मांगा है। सिसोदिया ने 5.89 करोड़ रुपये के मामले में प्रदेशाध्यक्ष को चिट्ठी लिखकर अवगत कराया था कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल व पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के राजनीतिक सलाहकार विनोद वर्मा की मिलीभगत से पार्टी फंड का दुरुपयोग किया गया। यह पैसा विनोद वर्मा के बेटे की कंपनी में गलत तरीके से लगाया गया है।

स्लीपर सेल आतंकवादी संगठन में होते हैं : केदार कश्यप

बघेल के बयान पर वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा है पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अपने ही कार्यकर्ताओं को 'स्लीपर सेल' कह रहे हैं। स्लीपर सेल आतंकवादी संगठन में होते है तो क्या कांग्रेस आतंकवादी संगठन है। कश्यप ने कहा कि चुनाव में कांग्रेस की खस्ता हालत और संगठन में हो रहे अपने विरोध से पूर्व मुख्यमंत्री इतने विचलित हो चले हैं कि अब वे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को 'स्लीपर सेल' बताकर खुलेआम अपमानित कर रहे हैं। बघेल ने जो कुछ भी अपने कार्यकर्ताओं के बारे में कहा है, वह कांग्रेस के राजनीतिक चरित्र और कार्यकर्ताओं के प्रति कांग्रेस नेताओं के आचरण का परिचायक है। अपने कार्यकर्ताओं को स्लीपर सेल की संज्ञा दे रहे हैं, यह कांग्रेस का दुर्भाग्य है।

सार्वजनिक व निजी संपत्तियों के वॉल राइटिंग, पोस्टर व बैनर पर लगातार कार्यवाही जारी

सूरजपुर। लोकसभा आम निर्वाचन के लिए आदर्श आचार संहिता के प्रभावशील होने के बाद से संपत्ति विरूपण अधिनियम के तहत सार्वजनिक और निजी संपत्तियों से वॉल राइटिंग, पोस्टर, बैनर एवं अन्य से संबंधित हटाने की कार्यवाही गति से जारी है। प्राप्त अंतिम जानकारी के अनुसार जिले में सार्वजनिक संपत्तियों से वॉल राइटिंग, पोस्टर, बैनर एवं अन्य से संबंधित 3 हजार 490 और निजी संपत्तियों से वॉल राइटिंग, पोस्टर, बैनर एवं अन्य से संबंधित 556 प्रकरणों पर कार्यवाही की गई है।

ट्रेलर खड़े ट्रक से टकराई, चालक की मौत

रायपुर। ओसवाल पेट्रोल पंप के पास कंटेनर ट्रक के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए खड़ी ट्रक को टक्कर मार दिया। जिससे चालक की मौत हो गई। मामले में तेलीबांधा पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक राहुल खान 26 वर्ष अपनी कंटेनर ट्रक क्रमांक एनएल 01 एसई 4697 को तेज लापरवाही पूर्वक चलाकर ओसवाल पेट्रोल पंप के पास खड़ी ट्रक क्रमांक जीजे 16 एडब्लू 5503 को ठोकर मार दिया। जिससे राहुल खान स्वयं घायल हो गया। जिसकी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मामले में तेलीबांधा पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सीएम विष्णुदेव साय से मिले 'भाभी जी घर पर हैं' फेम अभिनेता सानंद वर्मा

रायपुर। आज मुख्यमंत्री निवास में भाभी जी घर पर हैं के सक्सेना जी उर्फ़ अभिनेता सानंद वर्मा ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान सीएम साय ने छत्तीसगढ़ के राजकीय पशु वनभैंसा की सुन्दर कलाकृति भेंट कर सानंद वर्मा का स्वागत किया और छत्तीसगढ़ की आदिवासी संस्कृति, रहन-सहन, खान-पान के बारे में परिचित कराया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ के बस्तर और सरगुजा की प्राकृतिक सुंदरता, चित्रकोट जलप्रपात, जशपुर में होने वाली चाय की खेती, अघोर आश्रम, सन्ना में साल पेड़ के जंगल और भरतमुनि नाट्य शाला के बारे में विस्तृत जानकारी दी। सीएम साय ने उन्हें बताया कि प्रभु श्रीराम ने अपने वनवास के 14 वर्ष के लगभग

10 वर्ष दण्डकारण्य क्षेत्र में व्यतीत किये, चंदखुरी स्थित माता कौशल्या धाम के बारे में भी उन्हें अवगत कराया।

माननीय मुख्यमंत्री साय ने 3 महीने में सरकार द्वारा किये जनहित के कार्यों को लेकर प्रकाशित एक कॉफ़ी टेबल बुक भी सानंद वर्मा को भेंट की। मुलाकात के बाद सानंद वर्मा ने कहा कि आज प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी से मिला और उनकी सरलता, सहजता व आत्मीयता को देखकर मैं उनका प्रशंसक बन गया हूँ। मुख्यमंत्री जी ने बताया कि वे उनका शो देखते हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में फिल्म के शूटिंग की अपार संभावनाएं हैं, आगामी दिनों में भी छत्तीसगढ़ आना चाहूंगा। छत्तीसगढ़ आकर लगा कि मोदी जी और विष्णु जी के नेतृत्व में यहां की डबल इंजन सरकार छत्तीसगढ़ में राम राज्य की परिकल्पना को साकार करने में लगी हुई है। यहाँ की सांस्कृतिक धरोहर बेमिसाल है। बता दें कि सानंद वर्मा टीवी सीरियल भाभी जी घर पर हैं में अपने अभिनय के नाम से आम लोगों के बीच काफी चर्चित हैं। इस दौरान विधायक और छत्तीसगढ़ी अभिनेता अनुज शर्मा भी मौजूद रहे।

वन माफियाओं ने वन कर्मचारी पर किया जानलेवा हमला

भानुप्रतापपुर। बीती रात लगभग 8.30 बजे वन कर्मचारियों द्वारा जप्त वनोपज को ट्रैक्टर में परिवहन करने के दौरान वन माफियाओं द्वारा वन कर्मचारियों पर जानलेवा हमला किया गया जिसमें मुख्य रूप से वन कर्मचारी समीर कुमार नेताम को सिर पर गंभीर चोट लगा है एवं साथ ही सहकर्मी दिनेश कुमार साहू को भी सिर पर चोट लगा है एवं समस्त कर्मचारियों को बुरी तरह पिटाई किया गया है। वन कर्मचारी की टीम में सतीश कुमार ठाकुर परिक्षेत्र सहायक कोंडे, समीर कुमार नेताम परिसर रक्षक कोंडे, सुजीत सिंह खिलाड़ी परिसर रक्षक डोरका ऐन्हुर अजय कुमार नेताम परिसर रक्षक दक्षिण मेड़ों एवं दिनेश कुमार साहू परिसर रक्षक कवाची पटेल तथा तेजभान शोरी शामिल थे। उक्त घटना ग्राम गुमड़ीदीही से मिचगांव मोड़ के बीच हुआ है। बता दें कि वन माफिया में मुख्य रूप से ग्राम सरपंच कोंडे के पुत्र कैलाश राणा शामिल थे एवं उनके सहयोगीगण के द्वारा जघन्य अपराध को अंजाम दिया गया है, जो की अत्यंत अशोभनीय कृत्य है। वर्तमान में जख्मी वन कर्मचारियों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ग्राम दुर्गुकोंदल में भर्ती किया गया है एवं उनका उपचार जारी है।

RNI No. CHHHIN/2011/38292
भारत सम्मान NEWS
अम्बिकापुर, शनिवार, 23 मार्च 2024

वाहन चेकिंग दौरान खरसिया पुलिस ने 11,54,693 रूपये किए बरामद

आचार संहिता का उल्लंघन पाए जाने पर नकदी किया गया जप्त

रायगढ़ । आमचुनाव 2024 की घोषणा पश्चात जिले में आचार संहिता प्रभावशील है । कलेक्टर रायगढ़ श्री कार्तिकेया गोयल एवं पुलिस अधीक्षक श्री दिव्यांग कुमार पटेल के दिशा निर्देशन पर चुनावी प्रलोभन सामग्री एवं नगद रुपयो की आवाजाही रोकने सभी थाना क्षेत्र अंतर्गत उड़नदस्ता ैर स्थैतिक निगरानी दल सक्रिय होकर वाहनों के आवाजाही की सघन जांच की जा रही है।

इसी परिप्रेक्ष्य में कल शाम प्रशिक्षु आईपीएस एवं थाना प्रभारी खरसिया श्री आकाश श्रीश्रीमाल के नेतृत्व में खरसिया पुलिस द्वारा रायगढ़ चौंक पर वाहनों की जांच की जा रही थी । इस दरमियान खरसिया पुलिस द्वारा एक वेगनर, एक विटारा तथा एक इनोवा कार में काफी मात्रा में नगद रुपए का परिवहन करते पकड़ा गया है जो आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होना पाए जाने पर खरसिया पुलिस द्वारा तीनों वाहनों से कुल 11,54,693 रुपए नगद जसी किया गया है।

रायगढ़ लोकसभा से कांग्रेस उम्मीदवार हो सकते है धनुर्जय भगत

भारत सम्मान/न्यूज

रायगढ़। एक ओर जहां पहले ही बीजेपी ने पूर्व जिला पंचायत सदस्य राधेश्याम राठिया को रायगढ़ लोकसभा सीट से उम्मीदवार घोषित कर दिया है। वहीं, दूसरी ओर कांग्रेस मुकाबिल तोप की तलाश में जुटी हुई है मगर कांग्रेस की यह मशरूफियत खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही है। कांग्रेस ने अपने एक मौजूदा विधायक व एक पूर्व विधायक को चुनावी तैयारी के लिए डटे रहने को कहा था मगर इन दोनों नेताओं ने संगठन के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। ऐसी स्थिति में कांग्रेस की बेचैनी और मुश्किल दोनों ही बढ़ना स्वाभाविक है।

रायगढ़ लोकसभा सीट पर पिछले 25 वर्षों से भाजपा का एकाधिकार कायम है। कांग्रेस ने इस सीट पर जीत के लिए अनेक प्रयोग किए, ढेरों जतन किए लेकिन कांग्रेस की मेहनत अब तक परवान नहीं चढ़ सका है।

वर्ष 1998 में अजीत जोगी ने रायगढ़ संसदीय सीट पर कांग्रेसी तिरंगा लहराया था, उसके बाद से कांग्रेस आज तक जीत के मुहाने तक नहीं पहुंच सकी है। कांग्रेस ने कंवर प्रत्याशी आजमाया तो गोड़ उम्मीदवार भी चुनाव मैदान में उतारा लेकिन कांग्रेस की जीत का अरमान पूरा नहीं हो सका है। अब मई महीने में लोकसभा चुनाव होना है लेकिन कांग्रेस प्रत्याशी का चयन अभी तक नहीं हो सका है। रायगढ़ संसदीय सीट से रायगढ़ राजपरिवार की राजकुमारी श्रीमती जयमाला देवी सिंह, सारंगढ़ गिरीविलास पैलेस की राजकुमारी डॉ. मेनकादेवी सिंह और खरसिया के वरिष्ठ कांग्रेस नेता भोजसिंह राठिया की प्रबल दावेदारी है। मेनका देवी व जयमाला सिंह की दिल्ली दरबार में तगड़ी लॉबिंग है। कुछ वर्ष पहले कांग्रेस ने मेनकादेवी को लोकसभा उम्मीदवार घोषित किया था लेकिन अजीत जोगी ने उनका बाद में टिकट कटवा दिया था। मेनका व जयमाला दोनों ही अपनी उम्मीदवारी के लिए उच्चस्तरीय राजनैतिक संपर्क सूत्रों पर आश्रित हैं। वहीं, भोजसिंह राठिया के लिए नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत एड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं। इन तीन दावेदारों के अलावा कुछ और चेहरे भी सक्रिय हैं जिन्हें इस बात की पूरी तरह उम्मीद है कि कांग्रेस उन्हें घर बैठे प्रत्याशी बनाएगी। वहीं, भाजपा की तर्ज पर कांग्रेस भी नए चेहरे को चुनाव मैदान में उतारकर चौंका दे तो इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी। ज्ञात हो कि वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने लालजीत सिंह राठिया को उम्मीदवार बनाया था परन्तु उन्हें भाजपा प्रत्याशी श्रीमती गोमती साय के हाथों करारी शिकस्त झेलनी पड़ी थी। ऐसे में सूत्रों के हवाले से धनुर्जय भगत का नाम आने से सूबे में खलबली मच गई है, बता दे कि युवा व सहजभासि धनुर्जय भगत लंबे समय से कोंग्रेसी राजनीति का हिस्सा रहे हैं एवं वर्तमान में जिला सचिव कोंग्रेस रायगढ़ के पद पर निष्पक्ष भाव से अपने कर्तव्यों का वहन कर रहे है। सूत्रों की माने तो वर्तमान में लैलूंगा विधानसभा की कांगेस विधायक विद्यामती की जीत में भी अहम भूमिका निभाई थी।

एसपीजीसीएल बिंजकोट टाउनशिप परिसर में एनुअल स्पोर्ट मिट का हुआ समापन

फाइनल एसपीजीसीएल एनर्जी कप 2024 पर पावर हाउस की टीम का कब्जा

भारत सम्मान/न्यूज

रायगढ़। मेसर्स एसकेएस पावर जनरेशन (छ.ग.) लिमिटेड ग्राम बिजकोट में एसपीजीसीएल स्पोर्टस एवं कल्चरल कमेटी के द्वारा एनुअल स्पोर्ट मिट -2024 का समापन समारोह गत दिनों किया गया। समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अमर सिंह के द्वारा क्रिकेट मैदान में कारखाने की भाग लेने वाली सभी 10 टीमों एवं उनके कप्तान से खेल परिसर में हीं बारी-बारी से औपचारिक परिचय कर सभी अतिथियों एवं खिलाडियों की उपस्थिति में क्रिकेट पिच का निरीक्षण कर फीता काटकर तथा टॉस कर क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। अतिथिगण अमर सिंह, राजेश कुमार कन्नौजिया एवं एम. एस. भगत की उपस्थिति में फाइनल क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए टॉस सी एच पी सुपर किंग्स एवं पावर हाउस की क्रिकेट टीम के मध्य किया गया जिसमें टॉस पावर हाउस के कप्तान विनोद चंद्रा ने जीता तथा पहले फिल्डिंग करने का फैसला लिया। सी एच पी के कप्तान श्री रॉकी सैनी की क्रिकेट टीम ने बल्लेबाजी ली। जिसमें सी एच पी सुपर किंग्स की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 12 ओवर में 10 विकेट खोकर शानदार 107 रन बनाए । जवाब में पावर हाउस की टीम ने 12 वे ओवर में 108 रन बनाकर प्रथम विजेता का खिताब अपने नाम किया इस तरह पावर हाउस की टीम नें धुंआधार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। समापन समारोह में एसपीजीसीएल स्पोर्टस एवं कल्चरल कमेटी के सदस्यगण के अलावा मुख्य रूप से ऑपरेशन विभाग प्रमुख एम एस भगत, इलेक्ट्रिकल्स एवं सेफ्टी विभाग प्रमुख एस. के मनी, स्पोर्टस एण्ड कल्चरल कमेटी के आशीष बुधिया, सेफ्टी विभाग के प्रमोद सिह. दीपक झा, एन.टी.पी. सी के पूर्व कार्यपालक निदेशक राजेश कुमार कन्नौजिया, सी आर नन्दी, श्याम राज, गजाधर सिंह, जी. आर. यादव, एल बी तोडे, एस के मोहंती दुर्ई राजू, रेल्वे विभाग प्रमुख उमेश साहु राजेश गबेल, डॉ नीरज सिंह चंदेल, राम आचार्या, नवीन वर्मा, प्रमोद सिंह, सी. एच. पी. के जितेन्द्र पटेल, योगेश नायक, मानव संसाधन विभाग के संजय चौधरी, रतन साहु, अजित बाजपेयी, कमलेश पटेल, मृगेन्द्र पाण्डे, कुलदीप शर्मा, यशवंत डनसेना, मुनेंद्र यादव, प्रेमशंकर डनसेना के अलावा भारी सख्या में कंपनी के सभी विभागों के अधिकारीगण-कर्मचारीगण एवं दर्शकगण उपस्थित थे। कार्यक्रम में रायगढ़ के सुप्रसिद्ध गायक जितेन्द्र केसरी द्वारा गानों के माध्यम से दर्शकों एवं खिलाड़ियों का मनोरंजन किया गया। मंच संचालन अजित बाजपेयी व निधि वर्मा के द्वारा किया गया।

फर्जी सीबीआई अधिकारी चढ़ा पुलिस के हत्थे

कोरबा। जिले के दर्री थाना पुलिस के टीम ने फर्जी सीबीआई अधिकारी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। बताया जाता है कि साइबर सेल कोरबा एवं थाना दर्री पुलिस को मुखबिर के द्वारा सूचना प्राप्त हुआ कि काला रंग का फुल आस्तीन टी-शर्ट एवं कला रंग का फुल पैंट पहन कर गेरवाघाट की ओर से सत्यनारायण रात्रे नामक व्यक्ति जो अपने आप को सी.बी.आई. अधिकारी बताता है। सूचना पर पुलिस की टीम के द्वारा प्रगतिनगर दर्री के पास अकास्मिक वाहन चेकिंग / सदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग किया जा रहा था। इसी बीच एक संदिग्ध व्यक्ति उम्र लगभग 27-28 वर्ष मजबूत कद काठी का जो काला रंग का फुल अस्तीन टी शर्ट एवं काला रंग फुल पेट पहना गेरवाघाट की ओर से आ रहा था। जिसे रोक कर पुछताछ करने पर उक्त ब्यक्ति ने अपना नाम सत्यनारायण रात्रे उर्फ चाकनू 28 वर्ष निवासी कुलीपोटा थाना कोतवाली जॉजगीर चांपा का होना बताते हुए सीबीआई में पदस्थ होना बताया। जिसे समक्ष गवाहान गंभीरता से पुछताछ करने पर आई कार्ड सेन्ट्रल ब्यूरो ऑफइनवेस्टीगेश नाम सत्या रात्रे एजेंट कोड नबर एच. क्यू 21228/6459 पेश किया, जिसे तस्दीक करने पर फर्जी आई कार्ड होना पाया गया। आरोपी सत्यनारायण रात्रे उर्फ बाकनू को धारा 170, 419, 465, 467, 468, 471 के तहत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

फैक्ट्री कर्मचारी की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर में फैक्ट्री कर्मचारी की हत्या का मामला सामने आया है। सिर पर पत्थर मारकर आरोपी द्वारा वारदात को अंजाम दिया गया है। जानकारी के मुताबिक मृतक मध्यप्रदेश शहडोल का रहने वाला है। मृतक का नाम मुन्नी लाल सिंह 35 वर्ष बताया जा रहा है। पुलिस ने वारदात के दो घंटे भीतर आरोपी नंदू यादव को गिरफ्तार कर लिया। वारदात के बारे में पुलिस ने बताया कि आरोपी और मृतक दोनों दोस्त थे। निजी फैक्ट्री में दोनों काम करते थे। देर रात 11:30 बजे यह वारदात हुई है। सूचना पर धरसींवा थाना प्रभारी ने तत्काल संज्ञान लिया और आरोपी को चन्द घंटो के भीतर दबोच लिया है। हत्या की वजह क्या थी अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। आरोपी से पूछताछ जारी है। जिसके बाद ही हत्या की वजह सामने आएगी।

महिला से मारपीट

रायपुर। केलकरपारा में उधार पैसे के लेन-देन को लेकर महिला से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थिया की शिकायत पर गंज थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया प्रिति सागर 38 वर्ष सड्डु विधानसभा की रहने वाली है। बताया जाता है कि आरोपी बादल भारद्वाज ने उधार पैसे के लेन-देन को लेकर प्रार्थिया से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थिया की शिकायत पर गंज थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 294, 506, 323 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

घर के बाहर खड़ी बाइक पार

रायपुर। राजीव नगर खम्हारडीह में घर के बाहर खड़ी बाइक को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर खम्हारडीह पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी सुखसागर जोगीवंश 30 वर्ष राजीव नगर खम्हारडीह का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी ने अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 एचएल 7122 को घर के बाहर खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर खम्हारडीह पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

RNI No. CHHHIN/2011/38292
भारत सम्मान NEWS
अम्बिकापुर, शनिवार, 23 मार्च 2024

होली पर बढ़ी यात्रियों की परेशानी, ट्रेनों के साथ बसें भी पैक, मनमाना किराया वसूल रहे एजेंट

यात्रियों से मनमाना किराया वसूल रहे एजेंट, परिवहन विभाग तक पहुंची शिकायत

स्टूल लगाकर ले जाने की तैयारी

बसों में होली को लेकर दो दिनों से यात्रियों की इतनी भीड़ है कि इसके लिए बस संचालक स्टूल की व्यवस्था कर रहे हैं। भाठागांव बस स्टैंड से बिहार, झारखंड राज्य की ओर जाने वाली अधिकांश यात्री बसों में यात्रियों की भीड़ बढ़ने पर अधिक यात्रियों को ले जाने के लिए बसों में दोनों साइड की सीटों वाली एरिया के बीच बची गैप में स्टूल लगाया जाएगा। इसकी जानकारी एजेंट पहले ही यात्रियों को दे रहे, उनकी हामी मिलने के बाद यात्रियों को टिकट दे रहे।

इन शहरों में जाने वाले यात्रियों की संख्या अधिक

रायपुर से गढ़वा, रेहला, डाल्टेनगंज, रांची, पटना, गया, भागलपुर, बिहार शरीफ, औरंगाबाद, शेरघाटी, रानीगंज, डोभी, शेखपुरा, बरबिघा, नवादा आदि जगहों पर जाने सबसे अधिक यात्री बस स्टैंड पहुंच रहे हैं। यात्रियों ने बताया कि ट्रेनों में भी इन जगहों पर जाने के लिए लोगों की परेशानी बढ़ गई है। सीट फुल होने के बाद ट्रेनों में तत्काल टिकट की बुकिंग बंद है।

1200 का टिकट 2000 में

रविंद्र तिवारी ने बताया कि गढ़वा रोड जाने के लिए एक सीट 1000 से 1200 रुपये में मिल जाती थी, इसके लिए उन्हें दो हजार रुपये देना पड़ा। कमोबेश ऐसी ही स्थिति उन सभी लोगों की है जो अपने घरों से दूर कमाने रायपुर आए हुए हैं। होली में झारखंड, बिहार जाने वाले यात्रियों की संख्या इतनी अधिक है कि सभी ट्रेनों की सीटें 24-25 मार्च के लिए फुल हो चुकी है और वेटिंग लिस्ट 100 पार पहुंच गया है। वहीं यात्री बसों में 23 व 24 मार्च के लिए एडवांस बुकिंग चल रही है।

रायपुर। होली को लेकर ट्रेनों के साथ ही रोडवेज बसों में सीटों को लेकर मारामारी शुरू हो गई है। झारखंड, बिहार, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, ओडिशा आदि राज्यों में जाने वाली बसें पूरी तरह से पैक हो गई है। तीन दिन बाद होली मनाया जाएगा। स्थानीय स्तर पर लोगों ने जहां इसकी तैयारियां शुरू कर दी हैं तो वहीं खरीदारी को लेकर बाजारों में भी भीड़ उमड़ रही है। वहीं दूर-दराज शहरों में रह रहे नौकरीपेशा वर्ग ने भी त्योहार मनाने के लिए घर वापसी शुरू कर दी है। ऐसे में रेलवे स्टेशन के साथ ही बस स्टैंड में भी यात्रियों की दिन भर भीड़ लग रही। खासतौर पर उत्तर भारत जाने वाली बसों में वेटिंग चल रही। इन राज्यों के लिए रायपुर से रोजाना करीब 50 बसें चलती हैं। लेकिन, त्योहारी सीजन को देखते हुए लोगों की भीड़ लगातार बढ़ रही है। इसके चलते 15 से 20 प्रतिशत तक किराया बढ़ाकर यात्रियों से लिया जा रहा है। बस आपरेटरों का कहना है कि होली को देखते हुए बसों में भीड़ बढ़ रही। जरूरत पड़ने पर बसों की संख्या भी बढ़ाएंगे।

इतना वसूल रहे किराया

बसों में यात्रियों की भीड़ को देखते हुए बस आपरेटर रायपुर से लखनऊ और वाराणसी का किराया 1300 से 1500 रुपए, पटना और बोधगया का 1800 से 2000 रुपए, सासाराम का 1000 से 1400 रुपए, रांची, भुवनेश्वर, जगन्नाथपुरी का 1500 से 1800 रुपए और संबलपुर का किराया प्रति व्यक्ति 400 से 700 रुपए वसूल रहे। यहीं नहीं जैसे-जैसे यात्रियों की भीड़ बढ़ रही है, उसे देखते हुए एजेंट मनमाना किराया तय करके पैसे ले रहे है। होलिका दहन के दूसरे दिन रंगोत्सव में अधिकांश अंतरराज्यीय बसों का संचालन बंद रहने के कारण लोगों की रवानगी का सिलसिला पिछले एक हफ्ते से चल रहा है।

आफलाइन टिकट का कर रहे प्रयास

ट्रेन की बुकिंग के लिए रेलवे स्टेशन में भीड़ ट्रेनों की बुकिंग आनलाइन में नहीं होने की वजह से अधिकतर लोग आफलाइन में प्रयास कर रहे हैं। रेलवे स्टेशनों में लोगों की भीड़ बढ़ रही है। 23 व 24 मार्च तक सभी एक्सप्रेस ट्रेने फुल होने के वजह से लोग एक हफ्ते पहले ही घर जाने की योजना बनाकर टिकट बुक कराया था। इसके कारण झारखंड, बिहार और उत्तरप्रदेश जाने वाली ट्रेनों में लगातार भीड़ बढ़ रही है, लेकिन इन ट्रेनों में यात्रियों को सीट मिल रही है।

दोगुना किराया वसूल रहीं ट्रेवल एजेंसी

होली में अपने घर पटना जाने को बेताब यात्री सुनील यादव ने बताया कि को ट्रेन व बस में कंफर्म सीट नहीं मिल रही है। अपने बच्चों व माता-पिता के साथ उन्हें होली की खुशियां बांटनी है, जिसके लिए उन्होंने ट्रेवल एजेंसी से संपर्क साधा, लेकिन कैब के लिए मनमाना किराया एजेंसी वाले मांग रहे हैं। मजबूरी में आखिरकार सुनील को बस में दो गुना किराया देना पड़ा। छत्तीसगढ़ यातायात महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष सैय्यद अनवर अली ने कहा, होली पर्व को देखते हुए लंबी दूरी की अधिकांश यात्री बसों में भीड़ बढ़ने लगी है। इसके चलते अनाधिकृत एजेंट मनमाना किराया वसूली कर रहे। इसकी शिकायत परिवहन विभाग के अधिकारियों से की गई है। यात्रियों को चाहिए कि अधिक किराया देने से बचने के लिए अधिकृत बुकिंग एजेंट से ही टिकट ले।

नेशनल हाइवे के निकट रात में पहुंचा हाथियों का दल

कोरबा। कटघोरा वन मंडल में 37 हाथी इन दिनों अलग-अलग दल बनाकर घुम रहे हैं। शनिवार की रात 17 हाथियों का दल केंदई वन परिक्षेत्र के कांपानवापारा के पास नेशनल हाईव के निकट पहुंच गए। आवागमन आधे घंटे के लिए के लिए थम गया। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम हाथियों जंगल की ओर खदेड़ा। तब कहीं जाकर वाहनों का आवामन बहाल हुआ।

खेत खलिहानों से फसल का उठाव होने व गर्मी का असर शुरू होने के बाद रहवासी क्षेत्रों की ओर हाथियों का विचरण बढ़ गया हैं। विगत माह भर जंगल में रह रहे हाथियों के दल को गांवो के आसपास देखा जा रहा है। शनिवार को चार दल में बंटे हाथी लालपुर, मोरगा, मड़ई व कांपानवापारा के पास विचरण कर रहे थे। कटघोरा-अंबिकापुर को जोड़ने वाली नेशनल हाइवे के कांपानवापारा के पास शनिवार को 17 हाथी आ धमके। इससे आवागमन बाधित होने लगी। इन दिनों ड्रोन कैमरा व एप के माध्यम हाथियों के विचरण की स्थल की जानकारी वन विभाग को तत्परता से मिल रही है। नेशनल हाइवे में हाथियों के विचरण करने की सूचना मिलते ही वनकर्मी सक्रिय हो गए। हाथियों को हाइवे मार्ग से दूर जंगल की ओर खदेड़ा गया, इसके बाद आवागमन बहाल हुई।

कांग्रेस के भीतर अंतर्कलह और बगावत पर सचिन पायलट की बड़े नेताओं को सख्त चेतावनी- रूठे हुए को मनाना होगा

नारी-न्याय गारंटी का फार्म भरवाएगी कांग्रेस, रूठों को मनाने घर-घर जाएंगे वरिष्ठ नेता

रायपुर। बगावत, अंतर्कलह से जूझ रही कांग्रेस पार्टी में रूठों को मनाने वरिष्ठ नेता उनके घर जाएंगे। साथ ही कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के पहले घरों-घरों महिलाओं से नारी-न्याय गारंटी का फार्म भरवाने की रणनीति बनाई है। प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने राजीव भवन में पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की बैठक ली। उन्होंने बगावत व अंर्तकलह पर साफ कहा कि पार्टी के भीतर यह सब ठीक नहीं है। वरिष्ठ नेताओं को आगे आकर इसे रोकना होगा। रूठे हुए को मनाने से ही लोकसभा चुनाव में एकजुटता दिखेगी।

पायलट ने कहा कि कांग्रेस के घोषणा-पत्र में शामिल सालाना एक लाख रुपये सहायता राशि नारी न्याय गारंटी का फार्म भी भराया जाएगा। पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुए पायलट ने कहा कि सभी 11 लोकसभा क्षेत्रों में महिलाओं से नारी न्याय गारंटी का भराया जाएगा। कांग्रेस ने इस योजना के तहत महिलाओं को एक लाख रुपये सालाना देने का वादा किया है।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर टिप्पणी से कांग्रेस के भीतर हलचल

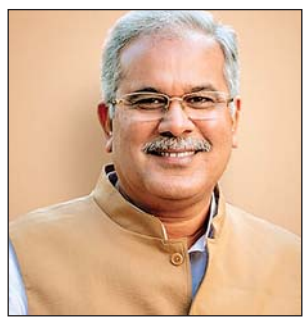

गौरतलब है कि राजनांदगांव में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर टिप्पणी से लेकर लेटर बम दो ऐसे मामले रहे, जिसने कांग्रेस के भीतर हलचल पैदा कर दी है। प्रदेश प्रभारी तक भी यह बात पहुंची। सचिन पायलट ने पार्टी के खास लोगों से पूरे मामले को समझा, जिसके बाद उन्होंने पदाधिकारियों को कहा कि खुले मंचों पर कार्यकर्ताओं को इस तरह बयान पार्टी की छवि के लिए ठीक नहीं है। इसे रोकना होगा।

घोषणा-पत्र को लोगों तक पहुंचाए

पायलट ने कहा कि कांग्रेस के घोषणा-पत्र को लोगों तक पहुंचाना होगा। प्रदेश प्रभारी के साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज एवं नेता प्रतिपक्ष डा. चरणदास महंत सहित पीसीसी के पदाधिकारी बैठक में शामिल हुए। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी ने 11 लोकसभा क्षेत्रों के समन्वयकों की बैठक ली। इन बैठकों में लोकसभा क्षेत्रों में पार्टी की चुनावी रणनीति पर विचार विमर्श किया गया। उन्होंने कहा कि हमें मोदी सरकार के 10 वर्ष के वादाखिलाफी के साथ कांग्रेस पार्टी ने लोकसभा चुनाव के लिए युवा, महिला, किसान, श्रमिक और अन्य वंचित वर्गो के लिए जो न्याय की घोषणा किया है उसको जनता के बीच ले जाना है।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक जितेन्द्र जायसवाल द्वारा जायसवाल प्रिंटिंग प्रेस राघवपुरी, डीगमा, अम्बिकापुर, छत्तीसगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। संपादक जितेन्द्र जायसवाल। मो.नं.-09424262547